

रुद्रयामल तन्त्र

तन्त्र-शास्त्र का अद्भुत विश्वकोश
(सर्वतोभद्र साधनाओं का सिद्धिप्रद संग्रह)

लेखक एवं सम्पादक :

डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी

एम. ए. (संस्कृत एवं हिन्दी), पी-एच. डी., डी. लिट.

(मन्त्रशक्ति, तन्त्रशक्ति, यन्त्रशक्ति, दत्तात्रेयतन्त्र, सौन्दर्य लहरी, महामृत्युंजय
साधना एवं सिद्धि तथा बटुक भैरव साधना आदि ग्रन्थों के लेखक)



रंजन पब्लिकेशन्स

16, अन्सारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110002

My heartily thanks to SRI HARSHA SHARMA

विषयानुक्रमणिका

परिचय-विभाग

1. रुद्रयामल-मंगलानि	18
2. दयामय दिव्य-दम्पती और उनकी अपूर्व देन	19-20
3. आगम और आगमिक साहित्य—	21-28
10 आगमों का परिचय, भैरवागम	
(क) वैखानस तथा पांचरात्र आगम	10-11
4. यामल और यामल साहित्य—अघोरादि 29 यामल	28
5. रुद्रयामल की दिव्यता	32
6. रुद्रयामल : स्वरूप दर्शन	34
7. रुद्रयामल की पाण्डुलिपियां—13 प्रतियों का परिचय	38
8. रुद्रयामल की साहित्य-सम्पदा—192 लघुग्रन्थों की स्थान परिचय सहित नामावली ।	40
9. यामलीय उपासना दृष्टि—पटल, पद्धति, कवच, सहस्रनाम और स्तोत्र—परिचय	51
10. रुद्रयामल में वर्णित साधनोपयोगी चक्र—अ—क—ड—म चक्रादि 6 चक्रों का सचित्र परिचय ।	57
11. यामल—प्रतिपादित ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रीय विचार	63
12. रुद्रयामल और योग साधना	67
13. शारीरिक चक्र और साधना—प्रक्रिया	69
14. कुण्डलिनी—साधना तथा कुछ स्रोत	71
15. न्यास—विद्या और मुद्राओं की महिमा—न्यास—विधि, न्यास स्वरूप, फलश्रुति एवं सिद्धि नियम—विचार सहित	74
16. रस—शास्त्र और रुद्रयामल	78
17. पंचमकार की आध्यात्मिकता	80
18. ज्ञानमार्गाक्त पंचमकार स्तोत्र	81
19. साधकों के लिए आवश्यक निर्देश ।	82

प्रयोग-विभाग

1. प्रयोग-परिचय की पूर्व भूमिका 89-100
नित्यकर्मानुष्ठान-सन्ध्या, स्वरूप दर्शन, पंचकाल विचार,
प्रातः सन्ध्याविधि-परिचय, मध्याह्न सन्ध्याविधि-परिचय,
सायं सन्ध्याविधि-परिचय, तुरीयकाल सन्ध्याविधि - परिचय,
पंचमकाल सन्ध्याविधि - परिचय, सामान्य जप प्रकार,
विशिष्ट जप प्रकार, तान्त्रिक सन्ध्या, पंचदेव पूजन विचार ।
2. तान्त्रिक उपासना का मंगल प्रस्थान : श्रीगुरु उपासना 101-106
(1) श्रीगुरु उपासना के प्रकार, (2) गुरुयन्त्र और
पूजा-विधान, (3) गुरु-पादुका मन्त्र ।
3. कुण्डलिनी मन्त्र जपविधि और स्तोत्र 107-109
(1) कुण्डलिनीस्तोत्राष्टक (अर्थ सार एवं पाठ विधि सहित) ।
4. अजपा-जप-विधि और अन्य कर्तव्य 110-112
5. महागणपति-साधना और रुद्रयामल 112-123
उपासना के अनेक प्रकार-(1) पंच बालक, षटकुमार, सप्त
बालक, (2) गणपति महामन्त्र, (3) गणेश-स्तवराज, (4)
नामोपासना के प्रकार, (5) महागणपति-तर्पण विधान,
(सामान्य, मध्य और उत्तम क्रम) तर्पण के अन्य प्रयोग, (7)
उच्छिष्ट गणपति-प्रयोग, (विभिन्न मन्त्र) मन्त्रप्रयोग-
विधान ।
6. भगवान् भैरवनाथ की कृपा-प्राप्ति 123-150

(1) भैरव-परिचय (2) तन्त्रसहित भैरवनामावली (3) अष्टोत्तशत भैरवनामावली (4) हिन्दी नामावली पाठ (5) बटुकभैरव - मन्त्र - विधान (6) रुद्रयामलोक्त स्वर्णाकर्षण भैरव-साधना मन्त्र विधान और स्तोत्र सहित स्वर्णाकर्षण भैरव-मन्त्रमय स्तोत्र, स्व० मै० यन्त्र (7) पक्षिराज शरमेश्वर-आकाश-भैरव-साधना, श्रीशरमेश्वर मन्त्रविधान एवं स्तोत्र, निग्रह-दारुण-सप्तक ।

7. भगवान् शिव की तान्त्रिक उपासना

150-164

(1) पार्थिव-पूजा-विधान (2) महामृत्युंजय साधना के मुख्य संकेत (3) महामृत्युंजय के नाम से प्राप्त होने वाले विभिन्न मन्त्रों के स्वरूप 27 प्रकार (4) तान्त्रिक-शिव-संजीवनी-प्रयोग (5) महामृत्युंजय मन्त्र और अन्य देवता ।

8. शक्ति उपासना और रुद्रयामल

164-170

(1) शक्ति का अपूर्व माहात्म्य (2) रुद्रयामल तन्त्र और दस महाविद्या रहस्य (एक तत्त्व के दस रूप) (2) दस महाविद्याओं के दार्शनिक तात्पर्य (3) दस महाविद्याओं का प्रादुर्भाव ।

1. भगवती महाकाली और उसके उपासना-तत्त्व

170-175

(क) मन्त्रजपविधि (ख) कवच पाठ-श्रीकालीकवच ।

2. भगवती तारा की उपासना

175-179

(क) एकजटामन्त्र विधान (ख) श्रीनीलसरस्वती स्तोत्र, (ग) अन्य मन्त्र-भेद आदि ज्ञातव्य ।

3. षोडशी-श्रीविद्या के सूत्र और रुद्रयामल

179-191

(क) श्रीविद्या का उपासना-परिचय (ख) दो स्वतन्त्र ग्रन्थ-
(1) देवी रहस्य (2) त्रिकूटा-रहस्य (रुद्रयामलोक्त), 21 मन्त्र, विभिन्न उपासकों द्वारा दृष्ट (ग) महात्रिपुरसुन्दरी : श्रीविद्या (संक्षिप्त परिचय) (घ) आमनाय-व्यवस्था, (ङ) श्रीविद्यासाधना का विस्तार (च) उद्घाटन-कवच : एक चिन्तन (छ) बाह्य-पूजा-विधान (संक्षिप्त श्रीमन्त्रपूजा) आदि ।

My hearty thanks to SRI HARSHA SHARMA

4. माताभुवनेश्वरी की उपासना surindranilupa@gmail.com 191-194
 (क) पूर्वाभास (ख) एकाक्षरी मन्त्र विधान (ग) अष्टोत्तरशत नामस्तोत्र (घ) वराह मन्त्र-प्रयोग ।
5. श्रीत्रिपुर भैरवी की उपासना 194-195
 (क) परिचय एवं महामन्त्र का विधान (यन्त्र परिचय सहित)
6. छिन्नमस्ता भगवती की आराधना 195-198
 (क) स्वरूप-दर्शन एवं यन्त्र-मन्त्र परिचय (ख) छिन्नम-स्तास्तवराज (ग) परशुरामोपासना ।
7. भगवती धूमावती की साधना 198-201
 (क) पूर्व-परिचय (ख) मन्त्र-विधान (ग) यन्त्र, कवचादि बोध (घ) श्रीधूमावती माला-मन्त्र ।
8. माता बगलामुखी की आराधना 201-206
 (क) पूर्वाभास तथा मन्त्र परिचय (ख) दो मन्त्रों के विधान (ग) श्री बगलामुखी स्तोत्र ।
9. भगवती मातंगी की साधना 206-208
 (क) प्रारम्भिक परिचय (ख) मन्त्र-विधान (ग) श्रीमातंगी स्तोत्र ।
10. महाविद्या श्रीकमला की उपासना 208-212
 (क) मूल परिचय (ख) मन्त्र विधान (तीन प्रकार)- (1) एकाक्षरी (2) चतुर्बीजात्मक (3) त्रयोदशाक्षरी (ग) नामावली-विधान (घ) लक्ष्मीकवच-विधान (ङ) लक्ष्मीविषयक विशेष ज्ञातव्य (च) साम्राज्य लक्ष्मी-मन्त्रविधान और हरि-मन्त्र ।

12. दुर्गासप्तशती और उसके महत्त्वपूर्ण प्रयोग

214-221

(क) दुर्गासप्तशती (ख) चरित्रत्रय की सात-सात शक्तियां
(ग) चरित्रत्रय की 360 शक्तियां और श्रीयन्त्र पूजा (घ)
तान्त्रिक दृष्टि और सप्तशती (ङ.) नवार्णमन्त्र (च)
अंगानुष्ठानक्रम (छ) उपांग-योजना (ज) नवरात्र के नौ पाठों
का क्रम (झ) एक अति महत्त्वपूर्ण 'सार्ध नवचण्डी-पाठ'
(रुद्रयामलोक्त) ।

13. शान्तिदुर्गादि नौ दुर्गाओं के मन्त्र-विधान

221-236

(क) (1) शान्ति दुर्गा (2) अग्निदुर्गा (3) वनदुर्गा (4) गिरिदुर्गा
(5) अम्बिकादुर्गा (6) चण्डिकादुर्गा (7) महिषमर्दिनी दुर्गा (8)
जयदुर्गा (9) नवाक्षरीदुर्गा (ख) इन्द्राक्षीदुर्गा का अपूर्व-प्रयोग
(यन्त्र कवच 6 मन्त्र एवं स्तोत्र सहित) (ग) महाविद्या,
वनदुर्गा-मन्त्र-प्रयोग-(क) पूर्वाभास, (ख) मन्त्रविधान (ग)
आसुरी - दुर्गा -मन्त्र-प्रयोग -(1) प्रारम्भिक परिचय (2)
आसुरीदुर्गा-तन्त्रविधान (3) अन्य प्रयोग (ङ) कुमारी पूजन-
प्रयोग-(1) कुमारीपूजन क्यों ? (2) पूजाविधान (3) कुमारी
स्तोत्र ।

14. गायत्री-साधना और रुद्रयामल

236-249

(क) सिद्धविद्या गायत्री का महत्त्व (ख) मुक्तिचिन्तामणि-
गायत्री कवच (ग) त्रिपदा गायत्री स्तवराज (घ)
गायत्रीपटल (ङ) सर्वार्थसाधनकर-गायत्री यन्त्र ।

15. रुद्रयामलोक्त नवग्रह-साधना

250-257

(क) ग्रहों की विशिष्टता (ख) सूर्योपासना के मन्त्र (ग)
तृचाकल्प नमस्कार (ग) हंसकल्प नमस्कार (ङ) अन्यग्रहों के
विविध उपाय-सर्वांगीण परिचय सहित (च) नवग्रह-स्तोत्र ।

16. वैष्णव उपासना के तान्त्रिक विधान

258-263

shrlnath.udupa@gmail.com

(क) वैष्णवाष्टाक्षरी मन्त्र प्रयोग (विनियोगादि सहित) तथा अन्य मन्त्र (ख) लक्ष्मी नृसिंह मन्त्र विधान (ग) वर-लाभार्थ रुक्मिणीवल्लभ मन्त्र-विधान (घ) सिद्ध शालग्राम मन्त्रविधि (ङ) विद्यागोपाल मन्त्र (च) दशाक्षरी राममन्त्र, सीताराममन्त्र, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के मन्त्र ।

17. हनुमद् उपासना की तान्त्रिक अभिव्यक्ति

263-270

(क) भगवान् हनुमान् के मन्त्र (ख) अन्य प्रयोग, 9 मन्त्र एवं 5 रुद्रयामलीय विशिष्ट प्रयोग (ग) पंचमुखिवीर हनुमत् कवच स्तोत्र, (घ) अनुभव सिद्ध दो मन्त्र ।

18. सर्वोपयोगी तन्त्र- स्तोत्रादि-संग्रह

270-286

(क) मन्त्र एवं स्तोत्रों की भूमिका (ख) गणपति-मन्त्र और स्तोत्र (ऋणहरण तथा सन्तान गणपति) (ग) सन्तान कामेश्वरी प्रयोग (घ) धनदा लक्ष्मी-स्तोत्र, (ङ) रुद्रयामल प्रोक्त बुद्धि बढ़ाने के उपाय-प्रज्ञावर्धन स्तोत्र आरुढा सरस्वती स्तोत्र, नवार्ण मन्त्र गर्भित चामुण्डास्तोत्र (च) यक्षिणीकल्प के प्रयोग-

(1) यक्षिणी-परिचय, प्रत्येक यक्षिणी के मन्त्रों का संग्रह ।

19. रुद्रयामल-दर्शित रसकल्प और उसके प्रयोग

286-292

(क) 'रसकल्प' संग्रह का परिचय, 'धातु-मंजरी' संग्रह का परिचय,

(ख) 'रसार्णवकल्प' का परिचय-(1) वनस्पतिकल्प, (2) उदककल्प (ग) पंचमारायोग (दूर्वा, विजया, बिल्वपत्र, निर्गुण्डी तथा काली तुलसी के प्रयोग) ।

एक बात और

293-303

लेखक-परिचय एवं शुभांसा

304

My heartily thanks to SRI HARSHA SHARMA